मैकेनिकल और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कोर्स होंगे शुरू, होगा अनुबंध

एमएसएमई और आईईटी मिलकर चलाएंगे नया कोर्स

नईदुनिया

08/11/19

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

विद्यार्थियों को उद्यमी बनाने के उद्देश्य से अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में ट्रेनिंग सेंटर शुरू होने जा रहा है। यह सेंटर मिनिस्ट्री ऑफ माइक्रो, स्मॉल एंड मिडियम एंटरप्राइज के माध्यम से स्थापित होगा। जहां मैकेनिकल और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग से अलग-अलग विधा से जुड़े डिप्लोमा कोर्स संचालित होंगे। खास बात यह है कि सेंटर को पूरी तरह मंत्रालय से अनुदान आएगा। हालांकि विश्वविद्यालय के आईईटी और मंत्रालय के बीच अनुबंध होना बाकी है, जिसकी प्रक्रिया नवंबर आखिरी सप्ताह में होने की संभावना है।

सेंटर में 70-80 विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देने की व्यवस्था रखी है। सेंटर के लिए मंत्रालय की तरफ से चार करोड़ का अनुदान मिलेगा। इसके जरिए वहां मैकेनिकल और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग से जुड़े उपकरण लगाए जाएंगे। सेंटर में डिप्लोमा के अलावा सर्टिफिकेट कोर्स भी रखे जाएंगे। पहले दौर की बातचीत मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और आईईटी के डायरेक्टर डॉ. संजीव टोकेकर के बीच हो चुकी है। माना जा रहा है कि आईईटी में सिर्फ एमएसएमई के ट्रेनिंग सेंटर के लिए जगह उपलब्ध करवाई जाएगी। सेंटर में दस मशीन के अलावा कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल और इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज मशीन रखी जाएगी। आईईटी के डायरेक्टर डॉ. टोकेकर की मानें तो सेंटर में नए सॉफ्टवेयर भी बनाए जाएंगे।

गर्मियों में होंगे कोर्स

मैकेनिकल डिपार्टमेंट के प्रमुख डॉ. अशोष तिवारी ने बताया कि आईईटी में शुरू होने वाले सेंटर में ज्यादातर डिप्लोमा कोर्स एक-एक महीने की अवधि वाले रखे जाएंगे। यह कोर्स गर्मियों में शुरू होंगे, जिसे विद्यार्थियों को इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। उन्होंने बताया कि रिसर्च स्कॉलर्स भी सेंटर में शोध कर सकेंगे। जिनके लिए सुविधा पूरी तरह निःशुल्क रखने पर विचार किया जा रहा है।

आईईटी के विद्यार्थियों को मिलेगी छूट

अगले दो महीने के भीतर सेंटर शुरू किया जाएगा। 30 फीसदी आईईटी के विद्यार्थियों के लिए सीट रखी है, जिन्हें फीस में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। जबकि अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए विद्यार्थियों को पूरी फीस देना होगी। माना जा रहा है कि अब कुलपति डॉ. रेणु जैन और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जल्द ही अनुबंध कर सकते हैं। इसके लिए नवंबर आखिरी सप्ताह में बैठक होना है।